

इलायजा - नंबर चौदह

भविष्यवाणी का समानांतर: मिलराइट्स से फ्यूचर फॉर अमेरिका तक एलियाह की आत्मा में

Jeff Pippenger

2023-10-21

अंत के समय 1798 में दानियेल के अध्याय आठ और नौ में उलाई नदी से संबंधित भविष्यसूचक संदेश की मुहर खोली गई, और परमेश्वर के न्याय के निकट होने की घोषणा करने के लिए विलियम मिलर को एलियाह की आत्मा और सामर्थ में उठाया गया।

विलियम मिलर और उनके सह-कार्यकर्ताओं को अमेरिका में चेतावनी का प्रचार करने का दायित्व दिया गया था। यह देश महान आगमन आंदोलन का केंद्र बन गया। पहले स्वर्गदूत के संदेश की भविष्यवाणी सबसे प्रत्यक्ष रूप में यहीं पूरी हुई। मिलर और उनके सहयोगियों की रचनाएँ दूर-दराज़ के देशों तक पहुँचाई गईं। विश्वभर में जहाँ-जहाँ मिशनरी पहुँच चुके थे, वहाँ मसीह के शीघ्र आगमन का शुभ समाचार भेजा गया। सर्वत्र अनन्त सुसमाचार का संदेश फैल गया: 'परमेश्वर का भय मानो, और उसे महिमा दो; क्योंकि उसके न्याय की घड़ी आ पहुँची है।' *The Great Controversy*, 368.

1989 में, अंत के समय, दानियेल की पुस्तक के अध्याय दस से बारह में हिदेकेल नदी से संबंधित भविष्यवाणी संदेश पर लगी मुहर खोल दी गई, और परमेश्वर के न्याय के निकट होने की घोषणा करने के लिए एलियाह की आत्मा और सामर्थ में *Future for America* को उठाया गया।

मिलराइटों ने यह घोषणा की कि न्याय आरंभ हो चुका है, और *Future for America* यह घोषणा करता है कि न्याय समाप्त हो चुका है। मिलराइटों की भविष्यवाणी की रूपरेखा दो उजाड़ करने वाली शक्तियों पर आधारित थी—पहले पैगनवाद, फिर पोपवाद। *Future for America* की भविष्यवाणी की रूपरेखा तीन उजाड़ करने वाली शक्तियों पर आधारित है—पहले पैगनवाद, फिर पोपवाद, और उसके बाद धर्मत्यागी प्रोटेस्टेंटवाद।

मिलराइटों ने फिलाडेल्फियाई के रूप में शुरुआत की, और लाओदिकियाई बन गए। फ्यूचर फॉर अमेरिका ने लाओदिकियाई के रूप में शुरुआत की, और फिलाडेल्फियाई में परिवर्तित हो रहा है। मिलराइटों का फिलाडेल्फिया से लाओदिकिया में यह परिवर्तन एलियाह की मृत्यु और मूसा की शपथ के बारे में उसके संदेश से संबंधित था। फ्यूचर फॉर अमेरिका का परिवर्तन प्रकाशितवाक्य अध्याय ग्यारह में एलियाह और मूसा की मृत्यु और पुनरुत्थान से संबंधित है।

1844 में न्याय के आरम्भ में, मिलराइटों ने कर्मल पर्वत पर एलियाह के कार्य को पूरा किया था। न्याय के समापन पर, रविवार के क़ानून के समय, फ्यूचर फॉर अमेरिका का आंदोलन कर्मल पर्वत पर एलियाह के कार्य को पूरा कर चुका होगा। मिलराइट इतिहास में यशायाह अध्याय सात, पद आठ में पहचानी गई पैसठ-वर्षीय भविष्यवाणी के तीन मार्गचिह्न तब दोहराए गए जब दो राष्ट्र एक होकर एक राष्ट्र बने, ताकि प्रकाशितवाक्य तेरह के पृथ्वी से उठने वाले पशु के प्रोटेस्टेंट सींग की स्थापना हो। फ्यूचर फॉर अमेरिका के इतिहास में भी वही पैसठ वर्षों के तीन मार्गचिह्न तब दोहराए जाते हैं जब दो राष्ट्र मिलकर उस गणतंत्रवाद के सींग को गठित करते हैं जो अजगर की तरह बोलता है।

फ्यूचर फॉर अमेरिका के भविष्यसूचक इतिहास में उन तीन मार्ग-चिह्नों में पहला 1989 में अंत का समय था। दूसरा 11 सितंबर, 2001 था और तीसरा शीघ्र आने वाला रविवार का क़ानून होगा। मिलराइट इतिहास में, यशायाह सात में पहचाने गए मार्ग-चिह्नों का क्रम, यशायाह के इतिहास में मार्ग-चिह्नों के क्रम के उलट था। फ्यूचर फॉर अमेरिका के इतिहास में यह क्रम पैसठ वर्षों के प्रथम संदर्भ के साथ मेल खाता है, यद्यपि अंत में समय का कोई तत्व नहीं रहता। 22 अक्टूबर, 1844 से, भविष्यसूचक समय का किसी भी प्रकार का अनुप्रयोग शैतानी भ्रम है।

यशायाह सात में प्रस्तुत तीन मार्गचिह्नों के क्रम को, मिलराइट इतिहास में उनके उल्टे क्रम के विपरीत, बनाए रखने का भविष्यसूचक औचित्य आंशिक रूप से प्रथम उल्लेख के नियम पर आधारित है। पैसठ वर्षों का क्रम पहली बार यशायाह सात में उल्लिखित है, और यद्यपि अंतकाल में, जब उन वर्षों द्वारा निरूपित भविष्यसूचक इतिहास की अंतिम पूर्ति होती है, तब पैसठ वर्षों की समय-सीमा स्वयं अब लागू नहीं रहती, फिर भी तीनों मार्गचिह्न पहचाने जाते हैं और वे यशायाह के इतिहास के समान ही क्रम बनाए रखते हैं।

मार्गचिह्नों का प्रथम क्रम बनाए रखने का दूसरा कारण उस मिलेराइट इतिहास, जिसमें पैसठ वर्ष पूरे हुए थे, और उस निरंतरता, जो मिलेराइट आंदोलन की Future for America के आंदोलन के साथ है, के बीच संबंध है। मिलेराइट इतिहास शुरुआत था और Future for America अंत है।

मिलेराइटों का आंदोलन 1863 में समाप्त हो गया, जब विधिवत संगठित सेवेंथ-डे एडवेंटिस्ट कलीसिया स्थापित हुई। उस समय, वह एलियाह का दूत, जो 1798 में अंत के समय, जब ऊलाई नदी का दर्शन अन्मुद्रित हुआ था, आया था, मौन करा कर मुहरबंद कर दिया गया। 1989 में, अंत के समय, जब हिदेकेल नदी का दर्शन अन्मुद्रित हुआ, तो एलियाह का दूत लौट आया।

मार्गचिह्नों के मूल अनुक्रम को बनाए रखने का तीसरा औचित्य, उस भविष्यवाणी की रेखा में मिलता है जो पृथ्वी के पशु और उसके दो सींगों को संबोधित करती है। मिलेराइट इतिहास में, दो राष्ट्रों के जुड़ने से प्रोटेस्टेंटवाद का सींग बना। फ्यूचर फॉर अमेरिका के इतिहास में, धर्मत्यागी प्रोटेस्टेंटवाद और धर्मत्यागी रिपब्लिकनवाद के दो सींग मिलकर उस एक राष्ट्र का निर्माण करेंगे जो 'पशु की प्रतिमा' भी होगा और 'पशु के लिए प्रतिमा' भी। अंतिम इतिहास में जो दो राष्ट्र कलीसिया और राज्य के एकल सींग का निर्माण करने के लिए एक होते हैं, वे उस परिपूर्ति तक रविवार के कानून के समय पहुँचते हैं।

जब पशु की प्रतिमा पूरी तरह विकसित हो जाती है, तो रविवार का कानून पारित करने की उसकी क्षमता इसके पूर्ण हो जाने का प्रमाण देती है। उस प्रतिमा का विकास समय की एक प्रक्रिया है, लेकिन पशु का चिन्ह समय का एक विशिष्ट बिंदु है। प्रतिमा के विकास का समय 1798 से 1844 तक मंदिर के निर्माण के छियालिस वर्षों से दर्शाया गया है। जिस अवधि में पशु की प्रतिमा विकसित हो रही होती है, उस दौरान गणतांत्रिक सींग एक धार्मिक-राजनीतिक मंदिर का निर्माण करता है।

पशु की प्रतिमा का विकास भविष्यसूचक रूप से 11 सितंबर, 2001 को शुरू हुआ। उस संकट ने पैट्रियट एक्ट के आगमन को चिह्नित किया, जिसने संवैधानिक कानून को अंग्रेज़ी कानून की धारणा से रोमन कानून की धारणा की ओर मोड़ दिया। अंग्रेज़ी कानून इस सिद्धांत पर आधारित है कि व्यक्ति तब तक निर्दोष है जब तक कि उसे दोषी सिद्ध न कर दिया जाए, और रोमन कानून इस सिद्धांत पर आधारित है कि व्यक्ति तब तक दोषी है जब तक कि वह निर्दोष सिद्ध न हो जाए।

11 सितंबर 2001 से लेकर रविवार के कानून तक जो राजनीतिक मंदिर खड़ा किया जाता है, उसका चित्रण पशु की प्रतिमा के निर्माण द्वारा भी किया गया है। भविष्यसूचक समय अब लागू नहीं है, इसलिए जिन छियालिस वर्षों में प्रोटेस्टेंटवाद का सींग आध्यात्मिक मंदिर खड़ा करता रहा, वे समय के किसी बिंदु को नहीं, बल्कि उस अवधि को दर्शाते हैं जब गणतंत्रवाद का सींग अपना धार्मिक-राजनीतिक मंदिर खड़ा करता है।

यशायाह सात में दर्शाए गए पैसठ वर्षों के तीन मार्गचिह्नों के उसी क्रम को लागू करने के तीन प्रमुख औचित्य हैं: पहला, 'प्रथम उल्लेख का नियम'; 742 ईसा-पूर्व, 723 ईसा-पूर्व और 677 ईसा-पूर्व—इस प्रकार उन्नीस वर्षों के बाद छियालीस वर्ष। मिलेराइदी इतिहास में यह विपरीत था; 1798, 1844 और 1863—इस प्रकार छियालीस वर्षों के बाद उन्नीस वर्ष।

दूसरा औचित्य यह है: एलियाह की भूमिका और कार्य से संबंधित संदेश की निरंतरता। एलियाह 1798 में अंतकाल के समय आया, जब दानिय्येल की पुस्तक की मुहर खोली गई (दानिय्येल 8:14), और फिर 1840 से 1844 तक

कर्मल पर्वत पर हुए मुकाबले तक पहुँचा, और 1863 में वह रीति-रिवाज और परंपरा के धर्मशास्त्र के साथ मुहरबंद कर दिया गया। एलियाह फिर 1989 में अंतकाल के समय आया, जब दानिय्येल की पुस्तक की मुहर खोली गई। वह भविष्यसूचक रूप से 11 सितंबर 2001 तक पहुँचा, जहाँ कर्मल पर्वत का मुकाबला शुरू होता है, जो शीघ्र आने वाले रविवार के कानून पर जाकर समाप्त होगा। एलियाह की भूमिका और कार्य की यह निरंतरता यशायाह अध्याय 7 में पहचाने गए मार्गचिह्नों के क्रम का समर्थन करती है।

पृथ्वी के पशु के दो सींगों के संदर्भ से यह स्पष्ट होता है कि दोनों सींग दो अलग-अलग शक्तियों से एक शक्ति में परिणत होते हैं—एक परिवर्तन बाइबल की भविष्यवाणी के छोटे राज्य की शुरुआत में होता है और दूसरा उसके अंत में। जब उन दोनों छड़ों को, चाहे वे शुरुआत की हों या अंत की, इकट्ठा करके एक राष्ट्र के रूप में जोड़ दिया जाता है, तो उन्हें या तो शुरुआत में एक आध्यात्मिक मंदिर, या अंत में एक धार्मिक-राजनीतिक आध्यात्मिक मंदिर का निर्माण करते हुए दर्शाया जाता है। यह नकली मंदिर पोप के मंदिर का प्रतिरूप है, जहाँ पोप परमेश्वर के मंदिर में बैठकर अपने आप को परमेश्वर घोषित करता है।

जब संयुक्त राज्य अमेरिका रविवार के कानून के समय ड्रैगन की तरह बोलेगा, तब वह उसी प्रतिरूप की पूर्ति कर रहा होगा, क्योंकि वह एक नकली मंदिर बना चुका होगा जहाँ कलीसिया और राज्य को एक ही डंडे में जोड़ दिया गया होगा, और उस संबंध पर कलीसिया का नियंत्रण होगा।

यशायाह अध्याय सात में भविष्यद्वक्ता यशायाह अपने पुत्र को साथ लेकर राजा आहाज़ को संदेश सुनाने के लिए ऊपरी जलाशय की नहर के पास, धोबी के खेत के निकट गए।

तब यहोवा ने यशायाह से कहा, अब तू अपने पुत्र शेआर-याशूब को साथ लेकर आहाज से मिलने जा, ऊपरी तालाब की जल-नहर के सिरे पर, धोबी के खेत के मार्ग पर। यशायाह 7:3.

"shearjashub" शब्द का अर्थ है "शेष लोग लौट आएं।" मिलराइट्स के आरंभिक आंदोलन का शेष भाग 1989 में Future for America के आंदोलन में लौट आया। यशायाह और उसका पुत्र, पिता और पुत्र के रूप में अपने संबंध के माध्यम से, एक आरंभ और एक अंत का प्रतिनिधित्व करते हैं। वे एलियाह की उस आत्मा को व्यक्त करते हैं जो पिताओं के हृदयों को पुत्रों की ओर और पुत्रों के हृदयों को पिताओं की ओर फेरने वाली थी। यशायाह दुष्ट राजा आहाज़ को एलियाह का संदेश सुना रहा था। अन्य दुष्ट कर्मों के अलावा, आहाज़ पवित्रस्थान की सेवाओं को बंद कराने और उसकी जगह एक असीरियाई मंदिर की प्रतिकृति खड़ी करने के लिए जाना जाता है।

जब आहाज राज्य करने लगा, तब वह बीस वर्ष का था; और उसने यरूशलेम में सोलह वर्ष राज्य किया; और अपने पिता दाऊद के समान अपने परमेश्वर यहोवा की दृष्टि में ठीक काम न किया। परन्तु वह इस्राएल के राजाओं की चाल चला; हाँ, उसने उन जातियों की घृणित रीति के अनुसार, जिन्हें यहोवा ने इस्राएलियों के साम्हने से निकाला था, अपने पुत्र को आग में से पार कराया। और वह ऊँचे स्थानों पर, और पहाड़ियों पर, और हर एक हरे पेड़ के नीचे बलिदान चढ़ाता और धूप जलाता था। तब अराम का राजा रेज़ीन और इस्राएल का राजा, रेमल्याह का पुत्र पेकह, युद्ध करने के लिए यरूशलेम पर चढ़ आए; और उन्होंने आहाज की घेराबंदी की, परन्तु वे उसे परास्त न कर सके। उसी समय अराम के राजा रेज़ीन ने एलात को अराम के लिये वापस ले लिया, और यहूदियों को एलात से खदेड़ दिया; और अरामी लोग एलात आए और आज तक वहाँ बसते हैं। तब आहाज ने अशशूर के राजा तिगलत-पिलनेस्सर के पास दूत भेजे, यह कहते हुए: मैं तेरा दास और तेरा पुत्र हूँ; ऊपर आकर मुझे अराम के राजा और इस्राएल के राजा के हाथ से बचा, जो मेरे विरुद्ध उठ खड़े हुए हैं। और आहाज ने यहोवा के भवन में और राजा के भवन के भण्डारों में पाई गई चाँदी और सोना लेकर अशशूर के राजा को भेंट स्वरूप भेज दिया। और अशशूर के राजा ने उसकी सुन ली; क्योंकि अशशूर का राजा दमिश्क पर चढ़ आया, और उसे ले लिया, और उसके लोगों को बन्दी बना कर कीर को ले गया, और रेज़ीन को मार डाला। तब राजा आहाज अशशूर के राजा तिगलत-पिलनेस्सर से मिलने के लिये दमिश्क गया, और दमिश्क में जो वेदी थी, उसे देखा; और राजा आहाज ने उस वेदी की बनावट और उसकी समस्त कारीगरी के अनुसार उसका नमूना याजक ऊरिय्याह के पास

भेज दिया। और याजक ऊरिय्याह ने दमिश्क से राजा आहाज द्वारा भेजी गई हर बात के अनुसार एक वेदी बना दी; और राजा आहाज के दमिश्क से लौटने से पहले ही याजक ऊरिय्याह ने उसे तैयार कर लिया। और जब राजा दमिश्क से आया, तब राजा ने उस वेदी को देखा; और राजा वेदी के पास गया, और उस पर चढ़ावा चढ़ाया। और उसने अपनी होमबलि और अन्नबलि जलाई, और अपना पानबलि उण्डेला, और अपनी मेलबलियों का लोहू वेदी पर छिड़का। और जो पीतल की वेदी यहोवा के सम्मुख, भवन के सामने, अर्थात् वेदी और यहोवा के भवन के बीच थी, उसे वह वहाँ से हटाकर वेदी के उत्तर की ओर रख लाया। और राजा आहाज ने याजक ऊरिय्याह को यह आज्ञा दी: इस बड़ी वेदी पर प्रातःकाल की होमबलि और सन्ध्या की अन्नबलि, और राजा की होमबलि और उसकी अन्नबलि, और देश के सब लोगों की होमबलि, और उनकी अन्नबलियाँ और उनकी पानबलियाँ चढ़ाया करना; और उस पर होमबलि का सब लोहू और बलिदान का सब लोहू छिड़कना; और पीतल की वेदी मेरे लिये पूछने के लिये रहेगी। तब याजक ऊरिय्याह ने राजा आहाज की सब आज्ञा के अनुसार वैसा ही किया। और राजा आहाज ने अधिष्ठानों के किनारे काट डाले, और उनके ऊपर से कुंड उतार दिए; और उस 'समुद्र' को, जो उसके नीचे पीतल के बेलों पर था, उतार कर पत्थरों की फरश पर रख दिया। और सब्त के लिये जो आच्छादित मंडप उन्होंने घर में बनाया था, और राजा का बाहरी प्रवेशद्वार, इन्हें उसने अशूर के राजा के कारण यहोवा के भवन से हटा दिया। 2 राजा 16:2-18.

अशूर का राजा 'उत्तर के राजा' का प्रतिनिधित्व करता है, जो पोपतंत्र का प्रतीक है। दुष्ट राजा आहाज यहूदा का शाब्दिक नेता था, यहूदा जो शाब्दिक 'गौरवशाली देश' था। जब यशायाह और उसका पुत्र उससे ऊपरी तालाब की नहर पर, धोबी के मैदान के पास मिले, यह संदेश लेकर कि एक अवशेष लौट आएगा, तब वह दुष्ट राजा उत्तर और दक्षिण के बीच के गृहयुद्ध के संकट में था। उस संकट में उसने भविष्यद्वक्ता यशायाह के माध्यम से परमेश्वर द्वारा दिया गया संदेश अस्वीकार कर दिया, और सुरक्षा के लिए उत्तर के शाब्दिक राजा से मदद मांगी।

यशायाह अध्याय सात का परिदृश्य एक ऐसे नेता का चित्रण करता है, जो गृहयुद्ध के समय परमेश्वर की ओर मुड़ने के बजाय संधि के लिए पापाई सत्ता से संपर्क करता है। परमेश्वर के विरुद्ध आहाज का विद्रोह इस तरह दर्शाया गया है कि वह उत्तर के राजा से मिलने जाता है, उत्तर के राजा के देवता के मंदिर का नक्शा बनाता है, और उस मंदिर का नक्शा यरूशलेम के महायाजक को भेजता है; तब महायाजक परमेश्वर के पवित्रस्थान के पवित्र परिसर में उस नकली मंदिर की एक प्रतिकृति खड़ी कर देता है। दुष्ट राजा आहाज राज्य का प्रतिनिधित्व करता है, और महायाजक का सहयोग कलीसिया और राज्य के मेल का प्रतिनिधित्व करता है।

वह शाब्दिक विद्रोह आध्यात्मिक गौरवभूमि के नेता के विद्रोह का प्रतीक है, जो पोपसत्ता (उत्तर का राजा) की उपासना-रीति की नकल करता है और परमेश्वर के पवित्रस्थान की सच्ची उपासना को बंद कर देता है। आहाज का विद्रोह संयुक्त राज्य अमेरिका के नेतृत्व का प्रतीक है, जो गौरवभूमि में एक नकली मंदिर स्थापित करता है, जो उत्तर के राजा के मंदिर की नकल है।

यशायाह अध्याय सात का भविष्यवाणी संबंधी प्रसंग पृथ्वी के पशु के प्रारंभिक पैसठ वर्षों का प्रतिनिधित्व करता है, और उससे भी अधिक सीधे तौर पर पृथ्वी के पशु की समाप्ति अवधि का। यशायाह अध्याय सात के इस भविष्यवाणी संबंधी प्रसंग से बहुत-सा प्रकाश प्राप्त किया जा सकता है, पर इस समय हम केवल उस सिद्धांत का प्रयोग कर रहे हैं कि मसीह किसी बात के अंत को उसकी शुरुआत से चित्रित करते हैं। हम यहां यह अनुप्रयोग कर रहे हैं, न कि यशायाह अध्याय सात की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि के निहितार्थों में गहराई से उतरने के लिए। हम यह पहचान रहे हैं कि जब धर्मत्यागी रिपब्लिकनवाद का सींग धर्मत्यागी प्रोटेस्टेंटवाद के सींग से जुड़ता है, तो यह एक नकली मंदिर की स्थापना का प्रतिनिधित्व करता है।

उत्तर के राजा के मंदिर के प्रतिरूप पर बनाए गए नकली मंदिर का निर्माण उस ऐतिहासिक काल का प्रतिनिधित्व करता है जब पशु की प्रतिमा बनाई जाती है, और यह परमेश्वर के लोगों के लिए महान परीक्षा है, जिसके द्वारा उनकी अनन्त नियति का निर्णय होगा।

प्रभु ने मुझे स्पष्ट रूप से दिखाया है कि अनुग्रहकाल के समाप्त होने से पहले पशु की प्रतिमा बनाई जाएगी; क्योंकि वह परमेश्वर की प्रजा के लिए महान परीक्षा होगी, जिसके द्वारा उनका अनन्त भाग्य निर्धारित होगा।

यह वह परीक्षा है जिससे परमेश्वर की प्रजा को मुहर लगाए जाने से पहले होकर गुजरना होगा। जो सभी उसकी व्यवस्था का पालन करके और मिथ्या सब्त को स्वीकार करने से इंकार करके परमेश्वर के प्रति अपनी निष्ठा सिद्ध करेंगे, वे प्रभु परमेश्वर यहोवा के ध्वज के नीचे पंक्तिबद्ध होंगे और जीवित परमेश्वर की मुहर प्राप्त करेंगे। जो स्वर्गीय मूल की सच्चाई को त्याग देंगे और रविवार का सब्त स्वीकार करेंगे, वे पशु का चिन्ह प्राप्त करेंगे। सेवंथ-डे एडवेंटिस्ट बाइबल कमेंटरी, खंड 7, 976।

सेवंथ-डे एडवेंटिस्ट, जो लाओदीकियाई "परमेश्वर की प्रजा" हैं, के पास एक "महान परीक्षा" है जो अनुग्रह काल समाप्त होने से पहले होती है। यह वही "परीक्षा" है जिसे उन्हें "उन पर मुहर लगने से पहले" उत्तीर्ण करनी होगी। परमेश्वर की मुहर और अनुग्रह काल का समापन रविवार के कानून के समय होता है। पशु की प्रतिमा का गठन ऐसे काल में होता है जो रविवार के कानून की ओर ले जाता है और उसी पर आकर चरम पर पहुँचता है। पशु की प्रतिमा और उसका गठन एक ऐसा सत्य है जो हमारी अनन्त नियति का निर्धारण करेगा। उस प्रतिमा के गठन को दो डंडों को जोड़कर एक राष्ट्र बनाने के रूप में चित्रित किया गया है। दो डंडों का जुड़ना संयुक्त राज्य अमेरिका के इतिहास की शुरुआत में होता है और फिर उसके अंत में भी। शुरुआत में प्रोटेस्टेंट सींग की स्थापना के लिए दो डंडों को जोड़ा गया था, और अंत में रिपब्लिकन सींग की स्थापना के लिए दो डंडों को जोड़ा जाता है।

1798 से 1844 के प्रारंभिक इतिहास में, प्रोटेस्टेंट सींग का मंदिर निर्मित किया गया। उन्नीस वर्ष बाद, रिपब्लिकन सींग के पहले रिपब्लिकन राष्ट्रपति ने मेमने की तरह बोला, और ऐसा करते हुए दासों को मुक्त करने की प्रक्रिया शुरू की, पर इसकी कीमत उसे अपने प्राणों से चुकानी पड़ी। परमेश्वर का मेमना पाप की दासता से मानवता को मुक्त करने के लिए क्रूस पर मर गया, पर इसकी कीमत भी उसे अपने प्राणों से चुकानी पड़ी। क्रूस दास-मुक्ति उद्घोषणा है। जिस इतिहास में रिपब्लिकन सींग दासों को मुक्त कर रहा था, उस समय प्रोटेस्टेंट सींग ने दासता की भविष्यवाणी को अस्वीकार कर दिया। रविवार के कानून के इतिहास में, जब रिपब्लिकन सींग आध्यात्मिक दासता को फिर से स्थापित कर रहा होगा, प्रोटेस्टेंट सींग उस संदेश का प्रचार कर रहा होगा जो बंदियों को मुक्त करता है।

पृथ्वी के पशु के रिपब्लिकन सींग का आखिरी राष्ट्रपति अजगर के समान बोलेगा, और जब वह ऐसा करेगा, तो सच्चा प्रोटेस्टेंट सींग ध्वज-चिह्न के रूप में ऊँचा किया जाएगा। यह बात शाब्दिक और आध्यात्मिक मादी-फारसी साम्राज्य के दो सींगों में प्रतीकित है। शाब्दिक मादी-फारसी साम्राज्य बाइबल की भविष्यवाणी का दूसरा राज्य था, और बाइबल की भविष्यवाणी का छठा राज्य आध्यात्मिक मादी-फारसी साम्राज्य है। दानियेल की पुस्तक में, मादी-फारस के मेढ़े के दो सींग थे, जैसे संयुक्त राज्य अमेरिका के भी दो सींग हैं, परन्तु दूसरा सींग अंत में उठा।

तब मैंने अपनी आँखें ऊपर उठाई, और देखा, और देखो, नदी के सामने दो सींगों वाला एक मेंढा खड़ा था; और वे दोनों सींग ऊँचे थे; परन्तु एक दूसरे से ऊँचा था, और जो ऊँचा था वह बाद में उगा। दानियेल 8:3.

पृथ्वी के पशु और उसके दो सींगों के भविष्यसूचक इतिहास में, प्रोटेस्टेंट सींग की पहचान पहले की गई थी, परन्तु ऊपर उठकर कार्य को पूरा करने के बजाय वह लाओदिकियाई अंधेपन के जंगल में लौट गया। उस इतिहास में, जब रिपब्लिकन सींग अजगर के समान बोलता है और शीघ्र आने वाला रविवार का कानून पारित करता है, तब सच्चा प्रोटेस्टेंट सींग अंततः एक ध्वज के रूप में ऊँचा उठाया जाएगा। केवल वे लाओदिकियाई सेवंथ-डे एडवेंटिस्ट जो पशु की प्रतिमा के गठन द्वारा दर्शाए गए परीक्षण को पहचानते हैं, अनुग्रह काल के समाप्त होने पर परमेश्वर की मुहर प्राप्त करेंगे। वह संदेश जो इस परीक्षण प्रक्रिया की पहचान कराता है, अब उन सबके लिए उद्घाटित किया जा रहा है जो इससे लाभान्वित होना चाहते हैं।

तब एलिय्याह सब लोगों के पास आया और कहा, तुम कब तक दो रायों के बीच डगमगाते रहोगे? यदि प्रभु परमेश्वर है, तो उसी का अनुसरण करो; परन्तु यदि बाल है, तो उसका अनुसरण करो। परन्तु लोगों ने उसे एक भी बात का उत्तर नहीं दिया। 1 राजा 18:21.

